Need to provide Fertilisers and seeds to farmers in Rajasthan in view of Good Rains

डा० अबरार अहमद खान (राजस्थान): थैंक्यू मैडम, आपने मुझे जो समय दिया उसके लिये। राजस्थान में गये चार सालों से भारी अकाल था और उस अकाल में साढ़े पांच सौ करोड़ रुपया केन्द्र सरकार ने दिया। हमारे प्रधान मंत्री जी स्वयं वहां गये और उन्होंने जो मदद दी उसके कारण से राजस्थान के गरीब किसान जिन्दा रह सके। वहां का पशुधन बचाया जा सका। मैं उस अल्लाह ताला का शुक्रगुजार हूं, उस भगवान का बहुत शुक्रिया अदा करता हूं जिसने रहमत की बरसात राजस्थान में बरसाई और इस समय राजस्थान में बहुत अच्छी तो नहीं लेकिन अच्छी वर्षा हुयी है और उन रेगिस्तानी इलाकों में भी हुयी है जहां पहले कभी नहीं हुयी थी। लेकिन जो किसान चार साल से अकाल की चपेट में दबे हुये थे, जो 14 रुपये रोज से अपने परिवार का गुजारा कर रहे थे, इस वर्षा के कारण अपने खेतों में डालने के लिये उसके पास बीज नहीं है, उसके पास खाद नहीं है। अगर उस किसान को पर्याप्त सहायता इस समय नहीं दी गई जो चार साल से अकाल की चपेट में दबा हुआ था, तो इस वर्षा का लाभ राजस्थान का किसान नहीं उठा सकता। इसलिये मैं आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से यह आग्रह करना चाहूंगा कि राजस्थान के उन गरीब किसानों को जो अकाल से चार साल से दबे हुये हैं तत्काल आर्थिक मदद दी जाए वह खाद की व्यवस्था कर सके, बीज को अपने खेतों में डाल सके और इस वर्षा का पर्याप्त लाभ ले सके और राष्ट्रीय विकास के लिये भी अपने खेतों में कुछ उगा सके।

इसके साथ ही साथ मैं एक सुझाव भी दूंगा कि केन्द्र सरकार राज्य सरकार को एक निर्देश दे कि वहां ज्यादा से ज्यादा ऐनिकट बनवाये जिससे जो वर्षा का पानी बेकार जा रहा है वह रुक सके और जिससे वहां की खेती को लाभ पहुंच सके, जहां के गरीब किसान को लाभ पहुंच सके।

Reported supply of unsafe Drinking water to Trans-Yamuna Areas

श्री हरि सिंह (उत्तर प्रदेश): माननीय डिप्टी चेयरमैन महोदया, भारत की राजधानी दिल्ली आजकल बीमारियों का घर बन गयी है और आप जानते हैं कि पिछले दिनों से हैजे का, गैस्ट्रो एन्ट्राइटिस का, आंखों की बीमारियों का, तरह तरह की पेट की बीमारियों का बड़ा जोर है बावजूद इसके कि सरकार द्वारा पर्याप्त प्रयत्न किये जा रहे हैं। एक्सपर्टज की रिपोर्ट आई है कि दिल्ली में यमुना पार के एरिया में पानी सप्लाई किया जा रहा है जहां पर हैजे का जोर है, जहां पर लोगों की मौत हुयी है वहां पर 83 फीसदी पानी जो है वह तरह तरह के बैक्टेरियाज से, हैजे के कीड़ों से और तरह-तरह की जो बीमारियां हैं और गर्दन तोड़ बुखार पैदा करता है, उस तरह का पानी सप्लाई किया जा रहा है। यही नहीं राष्ट्र के अन्दर आप देखें कि जो हमारा पीने का पानी है उसका 90 परसैंट पानी गन्दा है हैल्थ के लिये, स्वास्थ्य के लिये, उम्र के लिये और बच्चों के जीवन के लिये बड़ा ही खतरनाक होता है। आप सर्वे करा कर देख लीजिये। बनारस और इलाहाबाद में सर्वे हुआ है। आप दिल्ली पुरानी और नई दोनों का सर्वे कराकर देख लीजिये। कानपुर, लखनऊ के स्थानों का वहां के पानी का एक्सपर्ट लोगों ने सर्वे किया है। उससे पता लगा है कि यह पानी पीने लायक नहीं है। 90 प्रतिशत खराब है। सारे देश में 17 परसेंट पानी पीने लायक पाया गया है। भारत सरकार करोड़ों रुपया खर्च कर रही है लोगों का स्वास्थ्य अच्छा रहे, उम्र लम्बी हो, बीमारी न हो, इसके लिये। 70 फीसदी रोग पेट की बीमारी से ग्रसित हैं इसी कारण हिंदुस्तान का हेल्थ का स्तर गिर रहा है। मैं आपके माध्यम से यह निवेदन करना चाहूंगा कि हिंदुस्तान में अगर शुद्ध खाना नहीं दे सकते, अगर आप खुराक शुद्ध नहीं दे सकते, शुद्ध चीजें नहीं दे सकते कम से कम शुद्ध और साफ पानी तो दे सकते हैं जिससे उन्हें तरह तरह की बीमारी का शिकार न होना पडे। जो विदेश से लोग आते हैं और यहां का पानी पीते हैं तो अक्सर बीमार हो जाते हैं। जब बीमार हो जाते हैं तो गाली देते हैं, कोसते हैं। इसलिये मेरा निवेदन है कि

हिन्दुस्तान की राजधानी दिल्ली में तो कम से कम शुद्ध, साफ पानी का इंतजाम किया जा सकता है। जर्म्स को मारने के लिये, स्वास्थ्य ठीक रखने के लिये बहुत सी दवाओं की व्यवस्था सरकार करती है लेकिन उसका सही इस्तेमाल नही होता। मैं आपके माध्यम से यह निवेदन करना चाहता हूं कि हिंदुस्तान में चाहे भले ही आप कुछ न कर पायें, कोई तरक्की न दे पाये, शुद्ध खाना न दे पायें, मिलावट को न रोक पाये लेकिन कम से कम शुद्ध पीने के पानी की आप जरूर व्यवस्था करें जिससे यहां का स्वास्थ्य का स्तर ऊंचा हो सके। धन्यवाद।

Conferment of Award on Shri Morarji Desai by Pakistan

SHRI KAPIL VERMA (Uttar Pradesh): Madam, I want to raise a matter of national importance. Before making my point, I want to go on record that I have very great admiration for Shri Morarji Desai as an elder statesman and as a great patriot. I wish him a very long life and a very speedy recovery.

Madam, the whole nation is shocked that despite appeals which have been made, Shri Morarji Desai has chosen to accept a so-called award conferred on him by the military dictatorship of Pakistan. The acceptance of this award shows a deep insensitivity towards the sentiments of the people of India and towards the sufferings of families of hundreds of people who have been killed by terrorists in Punjab, Haryana and elsewhere using weapons like AK-47 rifles supplied by Pakistani intelligence agencies. Shri Morarji Desai claims that an honour has been conferred on India by the conferment of the so-called award on him. He has also claimed that it was during his tenure as Prime Minister that India-Pakistan relations improved dramatically.

Madam, Shri K. S. Bajpai, who was India's Ambassador to Pakistan, has revealed in a television interview recently that it was during Shri Morarji Desai's tenure as Prime Minister that the Pakistan Government and one of its chosen Ministers, Chaudhary Zahir Ilahi, systematically commenced incitement of Sikh pilgrims. It was also during Shri Desai's tenure that Sikh terrorist leaders like Jagjit Singh Chauhan started visiting Pakistan at President Zia's invitation in 1978, which the Government of India looking on as a passive spectator It is also known that when Shri Morarji Desai was the Prime Minister of India, India took no action to extradite the persons who had hijacked an Indian Airlines aircraft in 1976. Likewise, while even countries like China and Saudi Arabia asked General Zia not to execute an elected Prime Minister of Pakistan, Shri Morarji Desai maintained an eloquent silence. It was Indira Gandhi who voiced India's sentiments by urging that an elected leader like Zulfikar Ali Bhutto should not be hanged. It is such actions that led Gen. Zia and other to believe that Pakistan can incite communal violence, conspire in the hijacking of the Indian aircraft and take action threatening our territorial integrity. (*Time-bell rings*).

I am just finishing.

SHRI M. S. GURUPADASWAMY (Karnataka): Madam, I have to intervene in this.

SHRI SURESH KALMADI (Maharashtra): I would like to associate. (*Interruptions*)

SHRI M. S. GURUPADASWAMY: Madam, this is a chargesheet against Mr. Morarji Desai.

SHRI KAPIL VERMA: I think time has come when Mr. Morarji Desai must clearly state...

SHRI M. S. GURUPADASWAMY: Why should he state? Who are you to ask him?

SHRI KAPIL VERMA: ...whether that is more important than the unity and integrity of India.